Dr. Pooja Kaintura
Ph.D, Horticulture, Floricuture and Landscaping

Dr. Pooja Kainturais currently associated with Department of Sugarcane development and sugar indudustries, Govt of Uttarakhand.

She is having more than 12 years of experience in Academics. Previously, She has worked with Doon Business School,Dehradun as Faculty and Programme coordinator, School of Agricultural Sciences from 2019 to 2024

She was also associated with College of Agricultural, Uttaranchal University from 2016 to 2019.She had also worked with VCSG Uttarakhand University of Horticulture and forestry, Bharsar from 2012to 2015

She has achieved her Ph.D. specializing in horticultural sciences, specifically in the domain of floriculture and landscaping from G. B. Pant University of Agriculture and Technology, pantnagar on ICAR SRF fellowship (2009 to 2012)

She did her Post Graduation in floriculture and landscaping from Dr Y.S. Parmar University of Horticulture and Forestry, Solan H.P(2006 to 2008)

She Graduation in Agriculture Sciences from G. B. Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar.(2002 to 2006)

She has also acted as Guide and co-guide for various post graduate students for their post graduate research supervision.

She has published numerous Research publication, book chapters and research articles in her subject of expertise

She has been alsoassociated as scientific advisor with Plantica Foundation, Dehradun, Plant Science Researchers (APSR), Dehradun, Scholics Society of Agri Businesss Management (FSABM),Uttarakhand and having life membership of various scientific societies.

She is actively involved in social activity through her association with various organisations working in the field of grassroot development of agriculture.

डॉ. पूजा कैंतुरा,
पीएच.डी., औद्यानिकी (फ्लोरीकल्चर)

डॉ. पूजा कैंतुरा वर्तमान में उत्तराखंड सरकार के गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग से संबद्ध हैं।

उन्हें अकादमिक क्षेत्र में 12 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने 2019 से 2024 तक दून बिजनेस स्कूल, देहरादून में स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर सहायक प्रोफेसरवाकार्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया है।

वह 2016 से 2019 तक उत्तरांचल विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय से भी संबद्ध रहीं। उन्होंने 2012 से 2015 तक वीसीएसजी उत्तराखंड बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालयमें भी कार्य किया है।

उन्होंने जी. बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर से आईसीएआर एसआरएफ फेलोशिप (2009 से 2012) के तहत औद्यानिकी(**फ्लोरीकल्चर)** में पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है।

उन्होंने डॉ. वाई. एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश से औद्यानिकी (**फ्लोरीकल्चर)** में स्नातकोत्तर (2006 से 2008) कियाहै।

उन्होंने जी. बी. पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर से कृषि विज्ञान में स्नातक (2002 से 2006) कियाहै।

उन्होंने विभिन्न स्नातकोत्तर छात्रों के स्नातकोत्तर अनुसंधान पर्यवेक्षण के लिए मार्गदर्शक और सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया है।उन्होंने अपने विशेषज्ञता के विषय में कई शोध प्रकाशन, पुस्तक अध्याय और शोध लेख प्रकाशित किए हैं।

वह प्लांट साइंस रिसर्चर्स (एपीएसआर), देहरादून, स्कॉलिक्स सोसाइटी ऑफ एग्री बिजनेस मैनेजमेंट (एफएसएबीएम), प्लांटिका फाउंडेशन, देहरादून, उत्तराखंड से **वैज्ञानिक सलाहकार**'के रूप में संबद्ध हैं और वहविभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं के आजीवन सदस्य भी हैं।

वह कृषि के जमीनी स्तर के विकास के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न संगठनों से जुड़कर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।